

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 22 October 2026

मां की ममता से जन्मा व्यवसाय : ज्योति नाडे दास की 'गुल्लू टॉइज' के साथ प्रेरणादायी उड़ान

Sanket Morankar

Published on 21 Oct 2026



मातृत्व की प्रेरणा से शुरू हुई उद्यमिता की यात्रा

मां बनना किसी भी महिला के जीवन का एक खूबसूरत अनुभव होता है। लेकिन मातृत्व की जिम्मेदारियों को निभाते हुए अपने सपनों को साकार करना और अपनी अलग पहचान बनाना चुनौतीपूर्ण भी हो सकता है। इसी चुनौती को अवसर में बदलते हुए ज्योति नाडे दास ने 'गुल्लू टॉइज' ब्रांड के माध्यम से उद्यमिता की दुनिया में अपनी पहचान बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया। अपने बच्चे के लिए उपयोगी खिलौनों की तलाश से जन्मा उनका विचार आज अनेक परिवारों तक पहुंच चुका है।

ज्योति और उनके पति अमित दास के इस व्यवसाय के पीछे उनके स्वयं के पालन-पोषण के अनुभव से मिली प्रेरणा है। अपने छोटे बच्चे के लिए सुरक्षित, किफायती और बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करने वाले खिलौने तलाशते समय उन्हें बाजार में उपलब्ध विकल्पों में कुछ सीमाएं महसूस हुईं। इसी अनुभव ने बच्चों के लिए अधिक उपयोगी खिलौने तैयार करने की सोच को जन्म दिया। घर से शुरू हुआ यह छोटा-सा प्रयास धीरे-धीरे व्यवसाय में बदलने लगा और 'गुल्लू टॉइज' ब्रांड की यात्रा शुरू हुई।

घर ही बना कार्यालय, गोदाम और कार्यस्थल

शुरुआती दिनों में ज्योति के सामने मातृत्व और उद्यमिता की दोहरी जिम्मेदारियों को संभालने की चुनौती थी। उनका घर ही कार्यालय, गोदाम और उत्पादों से जुड़े कामों का केंद्र बन गया था। बच्चे की देखभाल के साथ-साथ वह खिलौनों के लिए लकड़ी की उपलब्धता सुनिश्चित करने, आपूर्तिकर्ताओं से संपर्क करने, उत्पादों की पैकेजिंग, ऑर्डर पूरे करने, डिलीवरी की योजना बनाने और ग्राहकों से संवाद करने जैसे कई काम संभालती थीं।

व्यवसाय के प्रत्येक चरण पर स्वयं ध्यान देते हुए उन्होंने धीरे-धीरे इसकी बुनियाद मजबूत की। सीमित संसाधनों के बावजूद काम में निरंतरता बनाए रखना और ग्राहकों की जरूरतों को समझना उनकी उद्यमशीलता का अहम हिस्सा रहा।

अपने बच्चे से शुरू हुआ उत्पादों का सफर

इस यात्रा की एक खास बात यह रही कि ज्योति के अपने बच्चे ने उनके शुरुआती उत्पादों में से एक का इस्तेमाल करके देखा। रंग-बिरंगे प्लास्टिक बिल्डिंग ब्लॉक उनके शुरुआती उत्पादों में शामिल थे। अपने बच्चे के लिए उपयोगी खिलौने तैयार करने की भावना से शुरू हुआ यह प्रयास धीरे-धीरे दूसरे अभिभावकों तक भी पहुंचने लगा।

ज्योति ने अभिभावकों की जरूरतों को समझने, उत्पादों की गुणवत्ता पर ध्यान देने और ग्राहकों का विश्वास अर्जित करने को प्राथमिकता दी। किसी भी छोटे व्यवसाय के लिए ग्राहकों की प्रतिक्रिया और भरोसा आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पति का सहयोग और स्थानीय महिलाओं के लिए अवसर

इस उद्यमशील यात्रा में उनके पति अमित दास का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने उत्पादों की डिजाइन, आवश्यक उपकरण तैयार करने, कच्चा माल खरीदने और उत्पादन की योजना बनाने जैसी जिम्मेदारियां संभालीं। दोनों के आपसी सहयोग से व्यवसाय को धीरे-धीरे गति मिली।

सीमित संसाधनों से शुरू हुआ यह प्रयास अब 2,000 से अधिक परिवारों तक पहुंच चुका है। इसके साथ ही, व्यवसाय से लगभग 40 लोग जुड़े हैं, जिनमें लचीले कार्य अवसर तलाशने वाली स्थानीय महिलाएं भी शामिल हैं। इस तरह 'गुल्लू टॉइज' की यात्रा केवल एक ब्रांड के विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे जुड़े लोगों के लिए काम के अवसर बनाने का माध्यम भी बनी है।

एक मां के सपने से दूसरों के लिए अवसर तक

ज्योति नाडे दास की यात्रा मातृत्व और व्यावसायिक लक्ष्यों के बीच संतुलन बनाने का प्रेरक उदाहरण है। घर से शुरू किए गए छोटे प्रयास को उन्होंने मेहनत, निरंतरता और ग्राहकों के विश्वास के सहारे आगे बढ़ाया। 'गुल्लू टॉइज' के विकास की यात्रा जारी है और भविष्य में अधिक परिवारों तक पहुंचना उनका लक्ष्य है।

उनकी कहानी यह संदेश देती है कि किसी मां के मन में अपने बच्चे के लिए जन्मा विचार, जब दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयासों से जुड़ता है, तो वह दूसरों के लिए भी अवसर पैदा कर सकता है। सही सोच, पारिवारिक सहयोग और काम के प्रति प्रतिबद्धता के साथ घर से शुरू हुआ प्रयास भी एक सार्थक उद्यम का रूप ले सकता है।

संपर्क विवरण

मोबाइल: 7559336154

ई-मेल: ssplasticpune@yahoo.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.